

INHALT

| | |
|---|-----------|
| Einleitung | 9 |
| KAPITEL 1: IMAGINÄRE WELTEN | 13 |
| 1. Unbekanntes Land | 15 |
| 2. Bestiarium | 17 |
| 3. Däumling | 19 |
| 4. Phantastische Reise | 20 |
| 5. Land der Poesie | 21 |
| 6. Der Garten des Glücks | 22 |
| 7. Göttliche Abstammung | 23 |
| 8. Schlimme Eltern | 24 |
| 9. Totem-Tier | 25 |
| 10. Seelenwanderung | 26 |
| 11. Himmel und Hölle 1 | 27 |
| 12. Himmel und Hölle 2 | 28 |
| 13. Anfang und Ende | 29 |
| KAPITEL 2: SCHWARZE UND WEISSE MAGIE | 31 |
| 14. Zauberring | 33 |
| 15. Zaubermuschel | 34 |
| 16. Magischer Schlüssel | 35 |
| 17. Unsichtbar | 36 |
| 18. Liebestrank | 37 |
| 19. Teufelsmenü | 38 |
| 20. Segensspruch | 39 |
| 21. Fluch | 40 |
| 22. Unsichtbare Botschaft | 41 |
| 23. Aufwachen als... .. | 42 |
| 24. Verwandlung | 43 |
| 25. Ritual | 44 |
| 26. Pakt mit dem Teufel | 46 |
| 27. Geisterschiff | 47 |
| 28. Die Sünden der Väter | 48 |

| | |
|-------------------------------------|----|
| KAPITEL 3: PORTRÄTS IN WORTEN | 49 |
| 29. Porträt des Leiters | 51 |
| 30. Biographie | 52 |
| 31. Hans ist wie ein... | 53 |
| 32. Einer wie ein Panther | 54 |
| 33. Ein Erwachsener | 55 |
| 34. Unterwegs notiert | 56 |
| 35. Prominenz | 57 |
| 36. Bild eines Tieres | 58 |
| 37. Tiergesicht | 59 |
| 38. Aussen-Innen | 60 |
| 39. Vier Gesichter | 61 |
| 40. Eine wichtige Person | 62 |
| 41. Das Antlitz des Bösen | 63 |
| 42. Wer? – Ich? | 64 |
| 43. Selbstporträt | 65 |
| 44. Indirektes Selbstporträt | 66 |
| 45. Selbstporträt als... | 67 |

KAPITEL 4: HUMOR UND PARODIE

| | |
|---------------------------------|----|
| 46. Graffiti 1 | 71 |
| 47. Graffiti 2 | 72 |
| 48. Graffito-Mensch | 73 |
| 49. Übertreibung 1 | 74 |
| 50. Übertreibung 2 | 75 |
| 51. Nonsense-Reklame | 76 |
| 52. Stammbaum | 77 |
| 53. Nonsense-Journalismus | 78 |
| 54. Neue Helden | 79 |
| 55. Eltern | 80 |
| 56. Erwachsene ärgern | 81 |
| 57. Wie man Zähne putzt | 82 |
| 58. Zum Fressen gern | 83 |
| 59. Ein Cadillac erzählt | 84 |

| | |
|---------------------------------|-----|
| KAPITEL 5: TRÄUME | 85 |
| 60. Traum (m)eines Bauchs | 87 |
| 61. Traum eines Objekts | 88 |
| 62. Alptraum eines Tieres | 89 |
| 63. Traum eines Stars | 90 |
| 64. Ein eigener Traum | 91 |
| 65. Traum beenden | 92 |
| 66. Angsttraum | 94 |
| 67. Angsttraum verändern | 95 |
| 68. Fallen | 96 |
| 69. Nächtliche Reisen | 97 |
| 70. Blick in die Zukunft | 98 |
| 71. Traum als Metapher | 99 |
| 72. Dialog imTraum | 100 |
| 73. Märchentraum | 101 |
| 74. Traumtausch | 102 |

| | |
|-----------------------------------|-----|
| KAPITEL 6: DIALOGE | 103 |
| 75. Geheimnis | 105 |
| 76. Kommissar und Ganove | 106 |
| 77. Entwicklung | 107 |
| 78. Klassenunterschiede | 108 |
| 79. Opposition | 109 |
| 80. Beruhigen | 110 |
| 81. Zufallsbegegnung | 111 |
| 82. Interessengegensätze | 112 |
| 83. Worte und Gedanken | 113 |
| 84. Heuchelei | 114 |
| 85. David und Goliath | 115 |
| 86. Konflikt | 116 |
| 87. Albern! | 117 |
| 88. Liebe und Haß | 118 |
| 89. Gott und Teufel | 119 |
| 90. Drei-Parteien-Dialog | 120 |
| 91. Selbstgespräch | 121 |
| 92. Was ich nicht mag | 122 |
| 93. Brief an ein Objekt | 123 |
| 94. Brief an ein Vorbild | 124 |
| 95. Nicht abgesandter Brief | 125 |

| | |
|-----------------------------------|-----|
| KAPITEL 7: POESIE | 127 |
| 96. Seltene Dinge | 129 |
| 97. Lügen | 130 |
| 98. Ich erinnere mich... .. | 131 |
| 99. Traum von der Zukunft | 132 |
| 100. Farben | 133 |
| 101. Ich soll – Ich will | 134 |
| 102. Mitten in der Nacht | 135 |
| 103. Explosionen | 136 |
| 104. Abendgedicht | 137 |
| 105. Akrostichon | 138 |
| 106. Das dritte Auge | 139 |
| 107. Telepathisches Gedicht | 140 |